ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

हिंदी सीखो

पाठमाला

3

TERM - 1

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

मिल्लत फ़ाउंडेशन

फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

MFERD

रेखांकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

विषय सूची

क्रम	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	पुनरावृत्ति	1 - 9
2.	आदर	10 - 15
3.	हमें एक कर दे (कविता)	16 - 20
4.	हज़रत मूसा (अलै)	21 - 27
5.	पानी का महत्व (कविता)	28 - 32
6.	ईर्ष्या का अन्त	33 - 42
7.	चिराग़	39 - 43
8.	मार्गदर्शन (कविता)	44 - 48

भाषा की योग्यता और कौशल

क्र.स.	पाठ का नाम	विधा	सुनना बोलना, समझना और पढ़ना	लिखना	शब्द कोश/व्याकरण	दृश्य श्रव्य कौशलों का विकास	मूल्य
१.	संयुक्तक्षर, द्वित्ताक्षर, 'ऋ', 'र' के प्रकार	आधे अक्षर और 'ऋ' 'र' के प्रकारों का अन्तर समझाना।	शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ाना	प्रकारों को ध्यान में रखते हुए लिखवाना।	संयुक्त शब्दों के अर्थ और उसका उपयोग समझाना।	अधिक से अधिक शब्दों से परिचय करवाना।	संयुक्त अक्षर द्वित्ताक्षर 'ऋ' 'र' के प्रकारों को स्पष्ट रूप से समझेगा
२.	आदर	प्रेरक प्रसंग	प्रेरणा सम्बन्धी प्रसंग को प्रभावशाली ढंग से वाचन करना एवं आदर का महत्व जानना।	प्रश्नोत्तर एवं ख़ाली स्थान भरिए, सही या ग़लत में उत्तर दीजिए।	कठिन शब्दों के अर्थ का ज्ञान, वाक्यों में प्रयोग, नए शब्द बनाना (्र) का प्रयोग	बड़ों और गुरूजनों के आदर का ज्ञान, मौखिक रूप में	आदर एवं अनुशासन का महत्व।
३.	हमें एक कर दे	कविता (एकता)	कविता का आदर्श वाचन शुद्ध और आरोह-अवरोह के साथ करना।	कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।	शब्द बल, वचन, विलोम एवं अनुनासिक का ज्ञान।	कविता का उच्चारण हाव भाव एवं इंद्रियों का संचालन करते हुए करना।	अल्लाह की बड़ाई, उसी से मांगना एवं एकता पर बल देना।
४.	हज़रत मूसा (अलै)	ऐतिहासिक लेख	शुद्ध वाचन इस्लामी इतिहास से परिचय नबियों में मूसा (अलै) का स्थान।	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थान भरिए।	कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, विलोम, पर्यायवाची शब्द, समूह के लिए एक शब्द।	मूसा (अलै) की भिन्न-भिन्न कथाओं को सुनाना।	मूसा (अलै) की जीवनी पर प्रकाश।
५.	पानी का महत्व	कविता (सीख)	मधुर एवं स्पष्ट उच्चारण में कविता का आदर्श वाचन करना, पानी के सम्बन्ध में बताना।	ख़ाली स्थान भरिए।	र (्र) का प्रयोग, विलोम, क्रिया फ़, ड़, ख़ का प्रयोग एवं संयुक्ताक्षर का ज्ञान।	पानी के भिन्न-भिन्न प्रयोग चित्रों द्वारा बताना।	''पानी'' अल्लाह तआला की नेमत है, उस का ठीक प्रयोग करें।
६.	ईर्ष्या का अन्त	नीतिपरक	वार्तालाप का प्रभाव शाली वाचन। जैसी करनी वैसी भरनी की सीख।	वार्तालाप, क्रिया	कठिन शब्दों के अर्थ, वचन, लिंग, शुद्ध रूप का ज्ञान।	ईर्ष्या पर कहानी सुनाना।	हसद और धोखे का बुरा परिणाम।
७.	चिराग़	रोचक लेख	शुद्ध वाचन करना। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना, घमण्ड एक असमाजिक रोग है।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान भरिए, ''हाँ'' या ''नहीं'' में उत्तर दीजिए।	कठिन शब्द के अर्थ का ज्ञान, वाक्यों में प्रयोग, पर्यायवाची शब्द।	चिराग़ के भिन्न-भिन्न चित्रों का लगाना एवं दिखाना।	घमण्ड का त्याग, प्रायश्चित का महत्व।
८.	मार्ग दर्शन	कविता (सीख)	प्रभाव शाली ढंग से कविता पढ़ना और समझाना, बुराई से होने वाली हानि पर प्रकाश डालना।	ख़ाली स्थान भरिए।	शब्द बल, विलोम एवं मिलते जुलते शब्द।	बुराई में रुसवाई है इसका मौखिक रूप मे ज्ञान देना।	जीवन में बुराई से होने वाले कुपरिणामों पर प्रकाश डालना।

1

पुनरावृत्ति

वर्णमाला

स्वर अक्षर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

अं अः

व्यंजन अक्षर

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व श

ष स ह

संयुक्त अक्षर

क्ष त्र ज्ञ श्र

स्वर और मात्रा

अ	-		-	क	- कमल
आ	-	ा	-	का	- काजल
इ	-	ि	-	कि	- किताब
ई	-	ी	-	की	- कील
उ	-	ु	-	कु	- कुली
ऊ	-	ू	-	कू	- कूद
ऋ	-	ृ	-	कृ	- कृषि
ए	-	े	-	के	- केला
ऐ	-	ै	-	कै	- क़ैदी
ओ	-	ो	-	को	- कोयल
औ	-	ौ	-	कौ	- कौन
	अं	-	ं		अनुस्वार
	अः	-	ः		विसर्ग

संयुक्ताक्षर, द्वित्ताक्षर, 'र' के प्रकार

(्) इसे हलन्त या हल चिह्न कहते हैं। किसी भी अक्षर के नीचे हलन्त लगाने से उस अक्षर से स्वर अलग हो जाता है और वह अक्षर आधा हो जाता है। अर्थात् उस अक्षर में स्वर नहीं होता। **उदाहरणः** क् + अ = क

स्वर निकालने पर अक्षर आधा होता है। **उदाहरणः** क् - क्‍

जिन अक्षरों को आधा नहीं किया जा सकता, वहाँ हलन्त लगाया जाता है।

आधे अक्षर का अभ्यास **उदाहरणः** ट - ट्

क - क्‍					
ख - ख्‍					
ग - ग्‍					
घ - घ्‍					
च - च्‍					
ज - ज्‍					
झ - झ्‍					

अध्यापन संकेत

नोट : १. जब 'र' किसी वर्ण या अक्षर के नीचे लगता है तो वह पदेन कहलाता है।
२. जब 'र' किसी वर्ण के ऊपर लगता है तो रेफ़ कहलाता है।
३. छात्रों को 'र' के प्रकारों (्र) और हलन्त (्) के अन्तर को अच्छी तरह समझाएं। प्रकार (्र) हलन्त (्)

ञ - ञ

ण - ण

त - त

थ - थ

ध - ध

न - न

प - प

फ - फ

ब - ब

भ - भ

म - म

य - य

ल - ल

व - व

ष - ष

श - श

स - स

ह - ह्

क्ष - क्ष्

त्र - त्र्

श्र - श्र्

हलन्त वाले अक्षर का अभ्यास

ड़ - ड़्

छ - छ्

ट - ट्

ठ - ठ्

ड - ड्

ढ - ढ्

द - द्

ज्ञ - ज्ञ्

‘र’ के तीन प्रकार हैं ।

र - ‍र्‍ ‍्र ‍ॅ ‍ृ

‘र’ के प्रकार का अभ्यास।

अक्षरों का आधे अक्षर से मिलान कीजिए।

क	[illegible]
ख	[illegible]
ग	[illegible]
घ	क
च	ख
छ	ट्
ज	[illegible]
झ	[illegible]
ट	छ्

ठ	[illegible]
ड	[illegible]
ढ	द्
त	ठ्
थ	ड्
द	ढ्
ध	[illegible]
न	[illegible]
प	[illegible]

य	[illegible]
र	[illegible]
ल	[illegible]
व	[illegible]
ष	/
श	[illegible]

स	क्ष
ह	श्र
क्ष	ज्ञ्
त्र	ह/ह्
श्र	[illegible]
ज्ञ	स